



ये अव्यक्त इशारे



अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

13-11-2025

जैसे एक सेकेण्ड में स्वीच आन और आफ किया जाता है, ऐसे ही एक सेकेण्ड में शरीर का आधार लिया और एक सेकेण्ड में शरीर से परे अशरीरी स्थिति में स्थित हो गये। अभी-अभी शरीर में आये, अभी-अभी अशरीरी बन गये, आवश्यकता हुई तो शरीर रूपी वस्त्र धारण किया, आवश्यकता न हुई तो शरीर से अलग हो गये। यह प्रैक्टिस करनी है, इसी को ही कर्मातीत अवस्था कहा जाता है।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

Just as a switch is switched on or off in a second, in the same way, take the support of your body in a second and become stable in the bodiless stage in a second. Come into your body one moment and become bodiless in one moment. Adopt the costume of your body when there is a need and then, when there is no need, become detached from your body. You have to practise this. This is known as the karmateet stage.